भारतीय नौसेना हेतु SPACE प्लेटफॉर्म

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (Defence Research and Development Organisation- DRDO) ने केरल में **"स्पेस"** नामक सोनार प्रणाली हेतु एक प्रमुख परीक्षण एवं मूल्यांकन केंद्र स्थापित किया है जो भारतीय नौसेना को समर्पित है।

- इसका अर्थ **ध्वनिक विशेषता एवं मूल्यांकन के लिये एक अत्याधुनिक सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म (Submersible Platform for Acoustic Characterisation and Evaluation- SPACE)** से है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से संपूर्ण सोनार प्रणालियों के मूल्यांकन हेतु किया जाएगा। इसमें दो विशिष्ट संयोजन शामिल हैं।
  - **फ्लोटिंग पार्ट** वह भाग है जो जल की ऊपरी सतह पर तैरता है, और
  - **जलमग्न भाग** एक सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म है जिसे **विंच सिस्टम का उपयोग** करके 100 मीटर की गहराई तक उतारा जा सकता है।
- संचालन पूर्ण होने पर सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म को विंच किया जा सकता है और फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म के साथ डॉक किया जा सकता है।
- यह **सेंसर तथा ट्राँसड्यूसर** जैसे वैज्ञानिक उपायों की त्वरित तैनाती एवं सरल पुनर्प्राप्ति की अनुमति प्रदान करेगा।
- यह आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करके वायु, सतह, मध्य-जल एवं जलाशय तल मापदंडों के **सर्वेक्षण, नमूनाकरण और डेटा संग्रह** हेतु उपयुक्त होगा।
  - यह पनडुब्बी रोधी युद्ध अनुसंधान क्षमताओं की वृद्धि करने में सहायक होगा।
- **सोनार (साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग)** एक उपकरण है जिसका उपयोग अल्ट्रासोनिक तरंगों द्वारा दूरी मापने के लिये किया जाता है।
  - सोनार तकनीक का उपयोग समुद्र की गहराई निर्धारित करने तथा जलमग्न पहाड़ियों, घाटियों, पनडुब्बियों, हिमखंडों, डूबे हुए जहाज़ों आदि का पता लगाने के लिये किया जाता है।

और पढ़ें: भारतीय नौसेना के लिये तीन पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज़

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/space-platform-for-indian-navy